बृहस्पतिवार
03 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

बालों के लिए सबसे बेहतरीन है चुकंदर

पृष्ठ 5

मैं प्लास्टिक की गुड़िया नहीं हूं: कृति सेनन

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 11
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है।

– विनोबा

भाजपा फिर मोदी मैजिक के भरोसे

संवाददाता

देहरादून। भाजपा उत्तराखंड में एक बार फिर मोदी मैजिक के सहारे 2017 जैसी कामयाबी को दोहराने की तैयारी में है। यूं तो भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची में तमाम दिग्गज मंत्री व नेताओं के नाम शामिल किए हैं, लेकिन पहाड़ पर मोदी की लोकप्रियता का लाभ लेने के लिए भाजपा ने पीएम मोदी की संसदीय सीटों के आधार पर पांच कार्यक्रम रखे गए हैं। जिसके अनुसार उनकी कल पहली वर्चुअल रैली होगी जिसमें वह अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत तथा पिथौरागढ़ के लोगों को संबोधित करेंगे।

खराब मौसम के कारण अब भाजपा द्वारा पीएम की वर्चुअल रैली के लिए इंडोर इंतजाम किए जा रहे हैं। इस रैली में भाजपा ने 1 लाख लोगों तक संबोधन को पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। कल 4 जिलों के सभी भाजपा प्रत्याशी पीएम के कार्यक्रम की तैयारी में लगे हुए हैं इसके प्रसारण के लिए 56 टीवी स्क्रीन लगाए गये हैं। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम संसदीय सीटों के अनुसार तय किए गए हैं। 6 फरवरी को उनकी वर्चुअल रैली में पौड़ी, टिहरी व दून के कुछ हिस्से तथा 10 को हरिद्वार व 12 को नैनीताल संसदीय क्षेत्र के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे।

❑कल प्रधानमंत्री की पहली वर्चुअल रैली
❑अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत व पिथौरागढ़ की जनता को करेंगे संबोधित

यहां यह उल्लेखनीय है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर सूबे की 70 में से 57 सीटें जीतकर बंपर सफलता हासिल की थी। भाजपा ने चुनावी साल में दो–दो बार मुख्यमंत्री बदलकर फिर ऐसी स्थिति पैदा कर दी कि वह राज्य के किसी नेता के चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ रही है। भले ही वर्तमान में धामी मुख्यमंत्री हो लेकिन वह घोषित सीएम का चेहरा नहीं है। यही कारण है कि भाजपा को 2022 के वर्तमान विधानसभा चुनाव में भी सिर्फ और सिर्फ मोदी के मैजिक का ही भरोसा है। भाजपा नेताओं ने इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के ऐसे कार्यक्रम तय

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

भाजपा अब 7 फरवरी को लाएगी अपना दृष्टि-पत्र

देहरादून। भाजपा अब अपना घोषणा पत्र 7 फरवरी को जारी करेगी। इस आशय की जानकारी प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी द्वारा दी गई है पहले भाजपा ने अपना घोषणापत्र 2 फरवरी को जारी करने की बात कही थी। लेकिन कल 2 फरवरी को कांग्रेस द्वारा अपना घोषणा पत्र जारी किए जाने के बाद भाजपा के कार्यक्रम में बदलाव कर दिया गया है। भाजपा के दृष्टि पत्र में क्या–क्या होगा? इसके बारे में अब विस्तृत जानकारी 7 फरवरी को ही हो सकेगी।

आप नेता राजेश भाजपा में और जखमोला कांग्रेस में शामिल

❑टिकट न मिलने के कारण आप को छोड़ रहे हैं नेता

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कांग्रेस और भाजपा का विकल्प बताने वाली आम आदमी पार्टी को अब उनके नेता चुनाव से पहले ही छोड़ कर भाग रहे हैं। आप को आज उस समय एक बड़ा झटका लगा जब आप के प्रदेश सचिव राजेश शर्मा ने भाजपा का दामन थाम लिया वही आप के प्रदेश उपाध्यक्ष मेजर जनरल सी.के.जखमोला कांग्रेस में शामिल हो गए।

आम आदमी पार्टी भले ही राज्य की सत्ता में आने के इरादे से चुनाव मैदान में उतरी हो तथा सीएम का चेहरा बनाए गए कर्नल कोठियाल कितनी भी मेहनत कर रहे हो। लेकिन उनके नेताओं का अब आप से मोहभंग होता दिख रहा है। राजधानी दून की रायपुर सीट से आप प्रत्याशी नवीन का विरोध करते हुए उन्हें एक थोपा हुआ प्रत्याशी बता कर आज आप का दामन प्रदेश सचिव राजेश शर्मा ने छोड़ दिया और वह भाजपा में शामिल हो गए। उन्हें सांसद राजलक्ष्मी शाह और प्रह्लाद जोशी ने भाजपा की सदस्यता प्रदान की।

उधर आप की नीतियों से असहमति जताते हुए आम आदमी पार्टी के उपाध्यक्ष मेजर जनरल सी.के. जखमोला ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। पार्टी के प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव ने उन्हें कांग्रेस की सदस्यता प्रदान की। इस अवसर पर देवेंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है जिसके कारण नेताओं का कांग्रेस के प्रति समर्थन बढ़ रहा है और अनेक नेता कांग्रेस के साथ

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

केंद्र सरकार ने स्कूलों को फिर से खोलने को लेकर गाइडलाइन में किया बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि वह अपनी राज्य की स्थिति को देखते हुए शैक्षणिक संस्थानों और स्कूलों को फिर से खोल सकते हैं। इसी के साथ केंद्र सरकार ने राज्यों को यह तय करने की अनुमति दी है कि स्कूली छात्रों को शारीरिक कक्षाओं में भाग लेने के लिए माता–पिता की सहमति की आवश्यकता है या नहीं, ये आप खुद तय करें। इसके लिए माता–पिता से सहमति पत्र लेने की जरूरत नहीं है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित दिशानिर्देशों में कहा गया है कि माता–पिता से बच्चों के स्कूल आने के लिए अनुमति या सहमति पत्र लेना है या नहीं, ये राज्य सरकार तय कर सकती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने कहा, राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारें अपने स्तर पर यह तय कर सकती हैं कि क्या उनके स्कूलों को शारीरिक कक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों के माता–पिता की सहमति लेने की आवश्यकता है। पहले शिक्षा मंत्रालय ने एसओपी में कहा था कि स्कूल आने के लिए माता–पिता से लिखित सहमति लेनी होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित दिशानिर्देशों में ऑनलाइन क्लास पर भी अधिक ध्यान केंद्रित करने को कहा गया है। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि ऑनलाइन क्लास में ब्रिज पाठ्यक्रम तैयार करके, जिन छात्रों को अधिक जानकारी की आवश्यकता है, वैसे छात्रों पर ध्यान केंद्रित करके, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक छात्र पाठ्यक्रम को अच्छे से पढ़ें, ये सुनिश्चित किया जाए।

पिछले 24 घंटों में कोरोना के 1,72,433 नए मामले सामने आए , संक्रमण से 1008 लोगों की मौत हुई

नई दिल्ली । भारत में पिछले २४ घंटों में १,७२,४३३ नए मामले सामने आए हैं जो कल से ६.८ प्रतिशत ज्यादा हैं। वहीं, पिछले २४ घंटों में १,००८ लोगों की कोरोना से मौत हुई, जिसके बाद कुल मौतों का आंकड़ा अब ४ लाख ९८ हजार ९८३ हो गया है। इसके अलावा २,५९,१०७ लोग ऐसे रहे जो बीमारी से ठीक हो गए हैं।

देश में सक्रिय मामलों का आंकड़ा १५,३३,९२१ हो गया है। हालांकि, इस दौरान कुल रिकवरी का आंकड़ा ३,९७,७०,४१४ रहा। फिलहाल, कल के मुकाबले दैनिक पॉजिटिविटी रेट भी बढ़कर १०.९९ प्रतिशत हो गया है।

मालूम हो, बुधवार को देश में १,६१,३८६ नए मामले मिले थे, जबकि

१,७३३ लोगों की मृत्यु हुई थी, जिसके बाद मरने वालों की संख्या अब ४ लाख ९७ हजार ९७५ हो गई थी। हालांकि, बुधवार को २,८१,१०९ लोग बीमारी से ठीक भी हुए थे। वहीं, कल ३,९५,११,३०७ मामलों की कुल रिकवरी हुई थी और दैनिक पॉजिटिविटी रेट भी १० प्रतिशत से नीचे था। बुधवार को संक्रमण दर ९.२६ प्रतिशत था, जोकि आज बढ़कर १०.९९ प्रतिशत हो गया है।

उत्तर प्रदेश में बीते २४ घंटे में कोरोना के ५०५२ नए मामले सामने आए हैं और २२ लोगों की मौत हो गई है। मध्यप्रदेश में बीते २४ घंटे में कोरोना के ७,३५९ नए मामले सामने आए हैं और छह लोगों की मौत हो गई है। राज्य में अब तक कुल संक्रमितों की संख्या ६.८१ लाख हो गई है।

बता दें कि भारत समेत दुनिया भर के १९० से ज्यादा देश कोरोना वायरस से प्रभावित हैं। दुनिया में अब तक ३८ करोड़ १४ लाख से अधिक लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। यह वायरस ५६ लाख से अधिक लोगों की जिंदगी छीन चुका है।

दून वैली मेल

संपादकीय

काश! घोषणा पत्र प्रतिज्ञा पत्र होते?

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस ने बीते कल 2022 के चुनाव के लिए जो घोषणा पत्र जारी किया गया है उसे पार्टी का प्रतिज्ञा पत्र कहा गया है। चुनावी घोषणा पत्रों का चलन कोई नया नहीं है यह उतना ही पुराना है जितनी पुरानी देश की संसदीय प्रणाली है। यह अलग बात है कि इस घोषणापत्र को राजनीतिक दल अपनी-अपनी योग्यताओं और भाषाई ज्ञान के अनुसार इसे एक से बढ़कर एक लोकलुभावन नाम देते रहे हैं कोई इसे दृष्टि पत्र तो कोई प्रतिज्ञा पत्र बताता रहा है लेकिन खास बात यह है कि यह घोषणा पत्र जो कभी चुनाव में मतदाताओं का रुझान बदलने की क्षमता रखते थे वह समय के साथ नेताओं के वक्तव्य और वायदों की तरह अपनी प्रासंगिकता और विश्वसनियता को खोते चले गए। अब आम जनता की सोच में इन घोषणा पत्र को झूठ का पुलिंदा ही समझा जाता है। लेकिन फिर भी इनका चलन जारी है एकमात्र बसपा ही ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो कभी अपना घोषणा पत्र जारी नहीं करती और उसकी सोच है कि वह कहने में नहीं करने में विश्वास रखती है। कांग्रेस के कल जारी किए गए प्रतिज्ञापत्र में जो लोकलुभावन वायदे किए गए हैं उनके माध्यम से प्रदेश की आध ी आबादी कहे जाने वाली महिला वोटर और देश का भविष्य कहे जाने वाले हैं 33 फीसदी युवाओं पर सर्वाधिक फोकस किया गया है। जिसकी पृष्ठभूमि में महंगाई से निजात और बेरोजगारी से मुक्ति दिलाने का भरोसा दिलाया गया है। इसमें 4 लाख युवाओं को रोजगार तथा महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 40 फीसदी नियुक्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा गया है। राज्य गठन से लेकर अब तक कांग्रेस ने 10 साल सत्ता का सुख भोगा है। सवाल यह है कि सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने उस सब बातों पर ध्यान क्यों नहीं दिया? बाद सिर्फ कांग्रेस की नहीं है। जिसने 2017 के चुनाव से पूर्व अपने दृष्टि पत्र में जो वायदे किए थे उसने उन्हें कितना पूरा किया है। कितने युवाओं को रोजगार दिया? इस सवाल का जवाब आज भाजपा के पास भी नहीं है सरकार बनने पर 100 दिन के अंदर लोकायुक्त का गठन करने का वायदा करने वाली भाजपा क्या 5 साल में लोकायुक्त का गठन कर सकी। बात सिर्फ राज्यों के स्तर तक सीमित नहीं है। 2014 के आम चुनाव में भाजपा ने विदेशों में जमा देश के काले धन को वापस लाने का जो वायदा किया था और हर गरीब के खाते में 15 लाख डालने की बात कही थी क्या वह 7 साल बाद भी उस काले धन को वापस ला सकी? पीएम मोदी ने देश के युवाओं को हर साल 2 करोड़ नौकरी देने की जो बात कही थी क्या उन्होंने इसे पूरा किया? यह सच है कि यह राजनीतिक दल और नेता चुनावी दौर में जो बयान बाजी करते हैं जो वायदे चुनावी सभाओं में करते हैं या अपनी घोषणा पत्रों में करते हैं वह महज शगूफे बाजी और वोट बटोरने के लिए जनता को भ्रमित करने के प्रयास के सिवाय और कुछ नहीं होता है। काश राजनीतिक दलों के यह घोषणा पत्र वास्तव में उनके प्रतिज्ञापत्र होते या बन पाते तो आज देश और समाज में कोई समस्या शेष नहीं रही होती। काश कोई संवैधानिक व्यवस्था ऐसी होती जो इन घोषणा पत्रों के वायदों को पूरा करने की बाध्यता बन सकती? सही मायनों में इन घोषणा पत्रों और चुनावी सर्वेक्षणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए जिससे देश की जनता इन घोषणा पत्रों के छलावे से बच सके। घोषणापत्र नहीं तो कम से कम यह मुफ्त की सौगातें बांटने वाले दलों व नेताओं पर प्रतिबंध के बारे में तो देश की न्यायपालिका को भी सोचने की जरूरत है।

ब्रह्मचारी की लोकप्रियता से घबरा गयी भाजपाः चोपडा

संवाददाता

हरिद्वार। कृषि उत्पादन मण्डी समिति के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेसी नेता संजय चोपडा ने कहा कि सतपाल ब्रहमचारी की लोकप्रियता से घबराकर भाजपा कार्यकर्ता अभद्र व्यवहार करने लगे हैं।

आज यहां एक बयान जारी करते हुए चोपडा ने हरिद्वार विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल ब्रहमचारी द्वारा खन्ना नगर स्थित कालोनी में चुनाव प्रचार कमे दौरान भाजपा के कथित नेताओं द्वारा की गयी धक्का-मुक्की व अभद्रता की वह कडे शब्दों में घोर निन्दा व तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सतपाल ब्रहमचारी की लोकप्रियता से घबराकर सतपाल ब्रहमचारी की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं, इस कतई कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरिद्वार की जनता मन बना चुकी है कि आने वाली 14 फरवरी को कांग्रेस के प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक की विदाई कर एक नया इतिहास हरिद्वार की जनता बनाने जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र की मर्यादाओं को ताक पर रखकर भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आना चाहती है लेकिन उत्तराखण्ड की भोली-भाली जनता इनके पांच साल के कारनामे देख चुकी है अब विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखकर कांग्रेस की सरकार जनता के आशीर्वाद से बनने जा रही है। कांग्रेस प्रत्याशी के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा की गयी अभद्रता की घोर निंदा करते हुए व्यापारी नेता राजेन्द्र पाल, मनोज मंडल, जय सिंह बिष्ट, मोहनलाल, प्रभात चौधरी, विरेन्द्र कुमार, पण्डित मनीष शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, राजेश अरोडा, कुमार सिंह मंडवाल, हंसराज दुआ, कैलाश चौधरी आदि शामिल रहे।

चेहरों पर सिमटती पंजाब की चुनावी जंग

राजकुमार सिंह

पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान अभी दूर है, लेकिन मुफ्त-रेवड़ियों की राजनीति से शुरू हुई चुनावी जंग तेजी से चेहरों तक सिमटती दिख रही है। प्रकाश सिंह बादल परिवार के वर्चस्व वाले शिरोमणि अकाली दल और उसके गठबंधन के चेहरे को लेकर कभी संदेह नहीं रहा। पिछले विधानसभा चुनाव तक बिना घोषणा के भी यह सभी को पता रहता था कि बहुमत मिलने पर मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ही होंगे। 94 वर्ष की उम्र में प्रकाश सिंह बादल इस बार भी लंबी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव तो लड़ रहे हैं, लेकिन पिछले मुख्यमंत्रित्वकाल में ही शिरोमणि अकाली दल की कमान अपने बेटे सुखबीर सिंह बादल को सौंप चुकने के बाद इस बार सत्ता की बागडोर भी उन्हें सौंप उत्तराधिकार की राजनीतिक प्रक्रिया पूरी कर देना चाहते हैं। तीन दर्जन से भी ज्यादा सीटों पर असरदार भूमिका वाले हिंदू मतों के समर्थन के लिए भाजपा से गठबंधन की जरूरत प्रकाश सिंह बादल को भी पड़ती थी। फिर सुखबीर बादल को तो पंजाब की राजनीति में अपनी व्यापक स्वीकार्यता अभी साबित करना शेष है। इसीलिए भाजपा से अलगाव के बाद शिरोमणि अकाली दल, 25 साल लंबे अंतराल के बाद फिर बसपा से गठबंधन कर चुनाव मैदान में उतरा है।

यह पहेली व्यापक राजनीतिक-सामाजिक चिंतन-मनन की मांग करती है कि उत्तर भारत में दलितों की राजनीतिक अस्मिता की पहचान बन कर उभरी बसपा, देश में सर्वाधिक दलित आबादी (लगभग 32 प्रतिशत) पंजाब में होने के बावजूद, यहां अपनी बड़ी लकीर क्यों नहीं खींच पायी-जबकि उसके संस्थापक कांशीराम मूलतः यहीं के निवासी थे? बहरहाल अकाली-बसपा गठबंधन ने ऐलान किया है कि बहुमत मिलने पर मुख्यमंत्री तो सुखबीर बादल ही होंगे, लेकिन दलित और हिंदू समुदाय से एक-एक उपमुख्यमंत्री बनाया जायेगा। अब जबकि उतावले नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने कैप्टन अमरेंद्र सिंह को अपमानजनक ढंग से

हटाते हुए दलित समुदाय से आने वाले चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री ही बना दिया है, यह देखना दिलचस्प होगा कि अकाली-बसपा गठबंधन का दलित उपमुख्यमंत्री का दांव चुनाव में कितना प्रभावी होगा। चन्नी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह तथ्य बार-बार रेखांकित किया जा रहा है कि पंजाब में सर्वाधिक आबादी होने के बावजूद इससे पहले ज्ञानी जैल सिंह के रूप में सिर्फ एक बार ही दलित को मुख्यमंत्री बनाया गया। हालांकि जैल सिंह को मुख्यमंत्री बनाये जाने के वास्तविक कारण पंजाब की तत्कालीन, खासकर कांग्रेसी राजनीति पर करीबी नजर रखने वाले बखूबी जानते-समझते हैं, लेकिन कांग्रेस आज चुनाव प्रचार में यह दावा तो कर ही सकती है कि राज्य में दोनों बार दलित मुख्यमंत्री देने का श्रेय उसे ही प्राप्त है। हालांकि हर दांव के दोनों तरह के परिणाम निकल सकते हैं, लेकिन विडंबना देखिए कि कांग्रेस चुनाव प्रचार में दलित मुख्यमंत्री का अपना ट्रंप कार्ड ही खुल कर नहीं चल पा रही, क्योंकि चंद महीने पहले प्रदेश अध्यक्ष बनने को आतुर सिद्धू अब मुख्यमंत्री का चेहरा बनने को उतावले हैं।

दरअसल सिद्धू को यह अहसास ही नहीं था कि कैप्टन अमरेंद्र सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटवाने में उन्हें इतनी जल्दी सफलता मिल जायेगी, वरना वह प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए आलाकमान पर इतना दबाव नहीं बनाते। अब सिद्धू को लगता है कि कैप्टन अमरेंद्र सिंह की बेआबरू विदाई की पटकथा तो उन्होंने लिखी; तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ समेत तमाम दिग्गजों को विरोधी भी बना लिया- पर फलस्वरूप मुख्यमंत्री का पद चन्नी की झोली में जा गिरा। न सिर्फ तब जा गिरा, बल्कि पंजाब के राजनीतिक-सामाजिक समीकरण का चुनावी दबाव ऐसा है कि भविष्य में अवसर आने पर उसके फिर उसी झोली में गिरने की प्रबल संभावना है। इसलिए अब चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंकने से पहले ही सिद्धू की सुई एक बार फिर 'दूल्हा कौन' पर अटक गयी है। ज्यादातर राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि कांग्रेस के लिए आदर्श स्थिति मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किये बिना ही चुनाव लड़ने की होगी, क्योंकि तब उसे दलित मुख्यमंत्री का तो लाभ मिलेगा ही, सिद्धू के चेहरे से जट्ट सिख समुदाय समेत युवा भी आकर्षित हो सकते हैं। लेकिन बृहस्पतिवार को पंजाब दौरे पर आये पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी कार्यकर्ताओं से चर्चा के बाद मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने की बात कह कर विवाद को नये सिरे से हवा दे गये हैं। बेशक अब ऐसा करने का दबाव सिद्धू और चन्नी, दोनों की ओर से है। सिद्धू बेचैन हैं कि अगर उन्हें चेहरा घोषित किये बिना ही लड़े चुनाव में कांग्रेस को बहुमत मिल गया तो चन्नी के दावे को नजरअंदाज कर पाना मुश्किल होगा, क्योंकि पार्टी उन्हीं के 111 दिन के शासन के आधार पर वोट मांग रही है। चन्नी को भी लगता है कि खुद को चेहरा घोषित करवाने का उनके पास चुनाव पूर्व से बेहतर मौका दूसरा नहीं हो सकता, क्योंकि ऐतिहासिक राजनीतिक पराभव के दौर से गुजर रही कांग्रेस मौजूदा दलित मुख्यमंत्री को नजरअंदाज करने का जोखिम कम से कम चुनाव के दौरान तो नहीं ही उठायेगी।

वैसे सिद्धू के दावे के मद्देनजर दिलचस्प तथ्य यह भी है कि सत्ता के तमाम प्रमुख दावेदार लगभग 20 प्रतिशत आबादी वाले जट्ट सिख मतदाताओं पर ही दांव खेलने को बेताब हैं। अकाली-बसपा गठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरा सुखबीर बादल इसी समुदाय से आते हैं तो मुख्य विपक्षी दल आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता में राय शुमारी से जिन भगवंत मान को चेहरा चुनने का दावा किया है, वह भी जट्ट सिख ही हैं। आबादी के आंकड़ों की दृष्टि से यह स्थिति चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन वास्तविकता यही है कि खासकर 1966 में विभाजन के बाद से पंजाब की सत्ता में जट्ट सिख समुदाय का ही दबदबा रहा है। दलित समुदाय से चन्नी के रूप में दूसरा मुख्यमंत्री पंजाब को मिला है तो हिंदू मुख्यमंत्री का दांव चलने का राजनीतिक साहस अभी तक कोई राजनीतिक दल नहीं दिखा पाया है। जबकि लगभग सवा करोड़ सिख मतदाताओं के मुकाबले हिंदू मतदाताओं की संख्या 82 लाख है। 117 विधानसभा सीटों में से 78 सीटें सिख बहुल हैं, तो 37 हिंदू बहुल, जबकि शेष दो मुस्लिम बहुल। कैप्टन अमरेंद्र सिंह की पहले मुख्यमंत्री पद और फिर कांग्रेस से भी विदाई के बाद बागी अकाली नेता सुखदेव सिंह ढींढसा के साथ मिल कर भाजपा ने जो गठबंधन बनाया है, उसने मुख्यमंत्री के चेहरे पर अपने पत्ते अभी तक नहीं खोले हैं। पंजाब में सत्ता संघर्ष के चौथे कोण के रूप में उभर रहे इस गठबंधन में भाजपा सबसे बड़ा दल है, जो दशकों तक शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन में जूनियर पार्टनर रहा। अगर राहुल गांधी के संकेत के मुताबिक कांग्रेस ने वाकई मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया तो उसकी पार्टी के अंदर क्या प्रतिक्रिया होगी, और उसके बाद क्या भाजपा-पंजाब लोक कांग्रेस- अकाली दल (संयुक्त) गठबंधन भी मुख्यमंत्री चेहरे का दांव चलेगा- यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

इन्द्रमेव धिषणा सातये धाद्बृहन्तमृष्वमजरं युवानम्।
अषाळ्हेन शवसा शूशुवांसं सद्यश्चिद्यो वावृधे असामि।।

(ऋग्वेद ६-१६-२)

हम अपनी बुद्धि को प्रभु के प्रति विचार करने के लिए उपयुक्त बनाएं। हमारी बुद्धि उस प्रभु को धारण करें जो अजर है, अमर है, दर्शनीय है, सर्वशक्तिमान है, सर्वज्ञ है और हर प्रकार से पूर्ण है। वह प्रभु हमारी ऊर्जा और समृद्धि में वृद्धि करता है।

Let us make our intellects suitable for contemplating about the Lord. Let our intellects imbibe that Lord who is immortal, ageless, worth realising, omnipotent, omniscient and complete in all respects. May that Lord increase our energy and prosperity. (Rig Veda 6-19-2)

आप नेता राजेश भाजपा..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

आना चाहते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार सूबे की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी से अधिकांश लोग इस लालच में आप से जुड़े थे क्योंकि नई पार्टी होने के कारण उन्हें आसानी से टिकट मिलने की उम्मीद थी जिन्हें टिकट नहीं मिला वह अब पार्टी छोड़कर भाजपा व कांग्रेस में जा रहे हैं।

नीति और माणा पास की सड़कों को सेना के वाहनों के लिए सुचारु करने की कवायद शुरु

चमोली (आरएनएस)। सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण नीति पास और माणा पास की सड़कों को सेना के वाहनों के लिए सुचारू करने की कवायद शुरू कर दी है। भारी बर्फवारी के कारण दोनों ही दर्रों की सडकों में काफी स्थानों में २० फीट से अधिक बर्फ जमी हुई है। भारी बर्फवारी के कारण पिछले डेढ़ माह से नीति व माणा पास की सड़क बंद पडी है । सडक बंद होने के कारण सेना समेत आईटीबीपी के वाहन सड़क मार्ग से रसद एवं अन्य सामाग्रियां बार्डर चौकियों तक नही पहुंचा पा रहे हैं। अब जब कुछ दिनों से मौसम साफ है तो बीआरओ ने मशीनों की सहायाता से बदरीनाथ के कंचनगंगा से माणा पास तक तो मलारी से नीती पास तक की सडकों से बर्फ हटाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। बीआरओ के कमाण्डर मनीष कपिल कहते हैं कि माणा पास की सडक में कहीं कही २० से ३० फीट तक बर्फ जमी हुई है। दोनों सडकों में १० से अधिक स्थानों में ग्लेशियर पसरे हुए हैं। इसलिए सड़क को खोलना चुनौतिपूर्ण है। कहते हैं कि यदि मौसम साफ रहा तो १५ से २० दिन में सड़क सुचारू कर दी जायेगी। ताकि सैन्य वाहनों की बार्डर चौकियों तक आवाजाही शुरू हो सके।

चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों ने किया मतदान

चमोली (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई है। बुधवार को चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों ने मतदान किया। पहले दिन जिले की तीन विधानसभाओं में ८६२ कर्मचारियों ने पोस्टल बैलेट का उपयोग किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना ने पीजी कालेज गोपेश्वर में तीनों विधानसभाओं के लिए बनाए गए पोस्टल बैलेट मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिक अपना वोट पोस्टल बैलेट के माध्यम से दे सकें, इसके लिए दोनों प्रशिक्षण केंद्रों में हर विधानसभा के लिए दो–दो मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जहां निर्वाचन कार्मिकों की पर्याप्त तैनाती की गई है। जिन कार्मिकों की चुनाव में ड्यूटी लगी है। उन्होंने पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान किया। यह प्रक्रिया गुरुवार को भी जारी रहेगी। पहले दिन बद्रीनाथ विधानसभा में ३६६, थराली विधानसभा में २७३, कर्णप्रयाग विधानसभा में २२३ कार्मिकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी हेमंत वर्मा भी उपस्थित रहें।

एसपी ग्रामीण ने पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया

ऋषिकेश(आरएनएस)। प्रशासन और पुलिस विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह से सतर्क हो गए हैं। बुधवार को एसपी देहात कमलेश उपाध्याय ने रानीपोखरी क्षेत्र के संवेदनील और अतिसंवेदनशील पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। बुधवार को एसपी ग्रामीण कमलेश उपाध्याय रानीपोखरी पहुंचीं। यहां उन्होंने संवेदनशील और अतिसंवेदनशील पोलिंग बूथों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। पोलिंग बूथों में बिजली, पानी, स्लैब आदि व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की। मौके पर सीओ डोईवाला अनिल शर्मा, थानाध्यक्ष शिशुपाल सिंह राणा आदि भी मौजूद रहे।

विद्यालय की छत से सोलन प्लेट चोरी

चमोली (आरएनएस)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय बडागांव की छत में लगी सोलर प्लेट पर मंगलवार की देर रात्री को चोरों ने हाथ साफ कर दिया। कोरोना एवं शीतकालीन अवकाश के कारण प्राथमिक विद्यालय बंद चल रहे हैं। विद्यालय की अध्यापिका सरिता चौहान ने बताया कि उनके विद्यालय की छत में चार बडी सोलर प्लेट लगी थी, जो विविध शैक्षणिक उपयोग में लायी जाती थी। मंगलवार की रात्री एक बड़ा सोलर प्लेट पेनल चोरी हो गया। कोतवाल आरएस खोलिया ने बताया कि चोरी की जानकारी थाने में प्राप्त हो चुकी है। जांच शुरू कर दी गई है।

चार से नौ फरवरी तक द्वितीय चरण का प्रशिक्षण

नई टिहरी (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी इवा आशीष श्रीवास्तव के निर्देशन में चार से नौ फरवरी तक पीठासीन अधिकारियों के साथ चुनाव ड्यूटी में लगे अन्य कर्मचारियों को द्वितीय चरण का प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण के दौरान अपना एपिक कार्ड साथ लाने को कहा है, ताकि वह पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपना मतदान कर सकें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा है। बताया नगर पालिका सभागार एवं जिला पंचायत सभागार बौराडी में प्रशिक्षण संपन्न होगा। नगर पालिका सभागार में तीन हजार २०४ कार्मिक प्रशिक्षण लेंगे, जिनमें चार फरवरी से छह फरवरी तक ५४० कार्मिक प्रतिदिन तथा सात फरवरी से नौ फरवरी तक ५२८ कर्मचारी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जिला पंचायत सभागार बौराड़ी में चार से नौ फरवरी तक १४४० कार्मिक प्रशिक्षण लेंगे, जिनमें प्रतिदिन २४० कार्मिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने सेक्टर जोनल मजिस्ट्रेट एवं व्यवस्थाओं से संबंधित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

सीएम धामी ने बेरीनाग में किया चुनावी शंखनाद

संवाददाता

बेरीनाग। सीएम पुष्कर सिंह धामी बुधवार को एक दिवसीय दौर में बेरीनाग पहुंचे। निर्धारित कार्यक्रम से आधे घंटे की देरी से बेरीनाग पहुंचने पर महाविद्यालय के खेल मैदान में गंगोलीहाट से भाजपा प्रत्याशी फकीर राम टम्टा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। वही जवाहर चौक से छलिया नृत्य और ढ़ोल नगाड़ो के साथ बाजार में जनसम्पर्क किया और भाजपा प्रत्याशी फकीर राम टम्टा को जिताने की अपील की। शहीद स्माकर में शहीदों को श्रद्धांजली अर्पित की। बाजार में इस दौरान व्यापारियों से मुलाकात भी की और उनके हाल चाल में जाना। जीआईसी बेरीनाग के खेल मैदान में चुनावी सभा का आयोजन किया गया।

इस मौके पर सांसद अजय टम्टा ने कहा कि मोदी सरकार के प्रदेश के विभिन्न ऐतिहासिक कार्य किये है प्रदेश की जनता मोदी और प्रदेश की भाजपा सरकार से खुश है। प्रदेश में फिर से ६० से अधिक जीतों से भाजपा जीत रही और सरकार बना रही है।

विधायक मीना गंगोला ने कहा पिछले पांच वर्षो में गंगोलीहाट के सभी क्षेत्रों में विकास की अलख जगाई है। गंगोलीहाट को एक पहचान दिलाई है। कुछ कार्य छूटे हुए है जिन्हे भाजपा के प्रत्याशी फकीर टम्टा के द्वारा चुनाव जीतने के बाद पूरा किया जायेग। फकीर टम्टा की एक तरफा जीत का भी दावा किया।

भाजपा प्रत्याशी फकीर राम टम्टा ने कहा कि गंगोलीहाट विधानसभा की जनता को मैने हमेशा घर परिवार का सदस्य माना है। चुनाव जीतकर गंगोलीहाट की जनता की सेवक की तरह कार्य करूगा। मेरा सब कुछ गंगोलीहाट की जनता है।अवश्य मुझे गंगोलीहाट की जनता आर्शीवाद देगी।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर तिखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस के उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। कांग्रेस मुख्यि को अपना घर नही मिल रहा है प्रदेश की जनता ने उन्हे २०१७ में ठुकरा दिया था। फिर जबरन घर में घुसने कार्य कर रहा है। वही गंगोलीहाट में कांग्रेस को स्थानीय स्तर पर कोई कार्यकर्ता प्रत्याशी के रूप में नही मिलने का आरोप भी लगाया और कहा सिर्फ चुनाव लडने के प्रत्याशी को यहां पर लाने का आरोप लगया है। प्रत्याशी को यह पता नही है गंगोलीहाट नगर पंचायत को हमने नगर पालिका का दर्जा दे दिया है। लेकिन वह जीतने के बाद पालिका दर्जा देने की बात कर रहा है। प्रत्याशी कोई जानकारी नही होने का आरोप लगया। वही उन्होने का पिथौरागढ़ मेरा गृह जनपद है और गंगोलीहाट से मेरा हमेशा लगाव रहा है। गंगोलीहाट के लगाव के कारण मुझे मुख्य सेवक बनने का सौभाग्य मिला है भाजपा ने जमीन से जुडे साधरण कार्यकर्ता फकीर राम टम्टा को प्रत्याशी बनाया है। गंगोलीहाट की जनता फकीर राम टम्टा को जिताकर विधानसभा भेजने और भाजपा को मजबूत करने की अपील की।

इस मौके पर भाजपा के जिला प्रभारी गणेश ठकुराठी,विधासनसभा गिरीश जोशी,ब्लाक प्रमुख विनीता बाफिला,नगर पंचायत अध्यक्ष जयश्री पाठक,भाजपा नेता दर्पण कुमार,गोपाल राम,भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज बिष्ट,दीपक धानिक,नवीन मेहरा,दिनेश धानिक,कैलाश पंत,नरेन्द्र रौतेला,खुशाल भंडारी,दल बहादुर सिंह बाफिला,भगवती मेहरा,नीमा पगराई,आशा भैसोड़ा,भावना बिष्ट,मंजू बाफिला,नीरू कार्की,हिमानी पंत,नन्दन बाफिला,दिवाकर रावल,ज्योति जोशी सहित अनेक लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री हरीश चुफाल और बीएल जोशी ने किया।

बालश्रम पर दुकान स्वामी पर मुकदमा

देहरादून (सं)। बच्चे से काम कराने पर दुकान स्वामी के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेश उनियाल राज्य समन्वय बचपन बचाओ अभियान ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको सूचना मिली कि इन्द्रेश हास्पिटल के पास एक फास्ट फूड की दुकान पर नाबालिग बच्चे से काम कराया जा रहा है। जब वह वहां पंहुचा तो उसने देखा कि दुकान पर एक 14 साल का बच्चा काम कर रहा है। पुलिस ने दुकान स्वामी के खिलाफ बालश्रम कराने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के दौरान आज चन्द्रेश्वर नगर श्मशान घाट के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से सात ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम गोपाल जायसवाल पुत्र जुगल किशोर जायसवाल निवासी चन्द्रभागा ऋषिकेश बताया। पूछताछ में उसने बताया कि वह राजमिस्त्री का काम करता है कोरोना काल में राजमिस्त्री का काम ना चलने पर वह हरिद्वार चण्डीघाट से एक व्यक्ति से यह स्मैक लाकर यहां पर बेचने का काम करता है। वहीं सहसपुर थाना पुलिस ने द कयूजर एकेडमी स्कूल के पास से एक व्यक्ति को 6 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सलीम पुत्र महमूद निवासी जामा मस्जिद के पास सहसपुर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भारी मात्रा में चरस सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को आज सुबह खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दो नशा तस्करों को दबोच कर उनके पास से 3 किलो 264.3 ग्राम चरस बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह एसओजी व कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान जीजीआईसी ऐंचोली से 200 मीटर आगे बड़ावे रोड पर दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखायी दिये। टीम द्वारा जब उन्हे रूकने का इशारा किया गया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान टीम ने उनके पास से 3 किलो 264.3 ग्राम चरस बरामद की। कोतवाली लाकर की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम कैलाश सिंह पुत्र हीरा सिंह व गिरीश कुमार पुत्र मोहन राम निवासी पिथौरागढ़ बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

हैंड ब्लेंडर को साफ करने के लिए अपनाएं ये आसान घरेलू तरीके

हैंड ब्लेंडर एक बेहतरीन किचन अप्लाइंस है, जिसकी मदद से खाद्य चीजों को कुछ सेकेंड में एकदम बारीक पीसा जा सकता है, लेकिन बेहद कम लोग इसे साफ करने के सही तरीके से वाकिफ हैं। कई लोग हैंड ब्लेंडर को साधारण बर्तनों की तरह साफ कर लेते हैं, लेकिन ऐसा करने से यह जल्द ही खराब हो सकता है। चलिए फिर आज हम आपको बताते हैं कि हैंड ब्लेंडर को कैसे साफ करना चाहिए।

हैंड ब्लेंडर की सफाई के लिए आप गुनगुने पानी और डिशवॉश लिक्विड का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले एक कप गुनगुने पानी में थोड़ा डिशवॉश लिक्विड अच्छे से मिलाएं, फिर इस मिश्रण में हैंड ब्लेंडर को सीधा डालकर कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। ध्यान रखें कि हैंड ब्लेंडर ब्लेड की तरफ से इस मिश्रण में होना चाहिए। इसके बाद ब्लेड की तरफ से हैंड ब्लेंडर को गुनगुने पानी से धोकर साफ कपड़े से पोंछ दें।

हैंड ब्लेंडर के अंदर जमी हुई गंदगी साफ करने के लिए बेकिंग सोडा का भी इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि इससे सफाई काफी आसान हो जाती है। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े गिलास में एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा पाउडर और आधा कप गुनगुना पानी मिलाएं, फिर इसमें हैंड ब्लेंडर को सीधा रखकर 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब एक स्पंज से हैंड ब्लेंडर के ब्लेड को साफ करके इसे पानी से धो लें।

अगर कभी भी आपके हैंड ब्लेंडर में से अजीब सी महक आने लगती है और इसे दूर करने के लिए आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े गिलास में आधा कप गुनगुना पानी और एक बड़ी चम्मच सफेद सिरका मिलाएं, फिर इसमें ब्लेड की तरफ से हैंड ब्लेंडर को सीधा रखकर कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में हैंड ब्लेंडर को किसी साफ कपड़े से पोंछ दें।

इन बातों का रखें खास ध्यान

1) हैंड ब्लेंडर को हमेशा ब्लेड की तरफ से साफ करना चाहिए क्योंकि इसके ऊपरी हिस्से में इसका बटन और तार का जोड़ होता है, जहां पर पानी जाने से यह जल्दी खराब हो सकता है। 2) जब आप हैंड ब्लेंडर का इस्तेमाल करें तो इसके तुरंत बाद इसे साफ कर दें क्योंकि अगर आप देर करेंगे तो इससे पीसी गई सामग्री के बचे हुए अवशेष सूख जाएंगे और हैंड ब्लेंडर को साफ करने में दिक्कत आएगी।

माधुरी की पहली वेब सीरीज फाइंडिंग अनामिका का नाम बदला, 25 फरवरी होगी रिलीज

माधुरी दीक्षित पिछले काफी समय से अपनी पहली वेब सीरीज फाइंडिंग अनामिका को लेकर सुर्खियों में हैं। आए दिन इससे जुड़ी नई जानकारी सामने आ रही है। अब उनकी इस सीरीज का नाम बदल दिया गया है। साथ ही इसकी रिलीज डेट की घोषणा भी हो गई है। सोशल मीडिया पर फैंस सीरीज को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर कर रहे हैं। माधुरी ने भी यह जानकारी अपने फैंस के साथ साझा की है।

सीरीज के नए नाम के साथ इसका नया पोस्टर शेयर करते हुए निर्माता करण जौहर ने लिखा, फेम और स्टारडम के पर्दे के पीछे एक सच्चाई हमेशा छिपी होती है। बॉलीवुड की बड़ी स्टार अनामिका आनंद की जिंदगी की क्या सच्चाई है? इसके बारे में जानें। द फेम गेम का प्रीमियर 25 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर होगा। सीरीज में माधुरी के अलावा संजय कपूर, मानव कौल, लक्षवीर सरन, सुहासिनी मुले और मुस्कान जाफरी भी अहम किरदार में नजर आएंगी।

माधुरी ने इंस्टाग्राम पर द फेम गेम का पोस्टर शेयर कर लिखा, अजनबी सी है उसकी दुनिया। अनकही सी है उसकी कहानी पर अब वह आ रही है अपनी कहानी लेकर दुनिया के सामने। 25 फरवरी को द फेम गेम सीरीज देखिए सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। द फेम गेम में एक सुपरस्टार अनामिका की जिंदगी के कई किस्से दिखाए जाएंगे। श्री राव ने इस सीरीज की कहानी लिखी है। इसका निर्देशन बिजॉय नंबियार और करिश्मा कोहली ने किया है।

माधुरी से पहले सुष्मिता सेन ने वेब सीरीज आर्या से डिजिटल डेब्यू किया था। उन्होंने इसके लिए पुरस्कार भी जीते थे। आर्या 2 में भी सुष्मिता ने दमदार अभिनय किया। हालांकि, रवीना टंडन अपनी पहली वेब सीरीज अरण्यक में कुछ खास कमाल नहीं कर पाईं। पिछले कुछ समय से माधुरी ज्यादातर रियलिटी शोज में ही नजर आ रही थीं। आखिरी बार माधुरी डांस दीवाने की जज के रूप में दिखी थीं। यह पहली बार होगा, जब माधुरी किसी सीरीज में नजर आएंगी। द फेम गेम की पूरी कहानी माधुरी के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें माधुरी का रोल काफी दमदार होने वाला है। माधुरी के फैंस उन्हें स्क्रीन पर देखने के लिए उत्साहित हैं। उनकी पिछली रिलीज फिल्म कलंक थी, जो 2019 में रिलीज हुई थी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

बालों के लिए सबसे बेहतरीन है चुकंदर

आजकल बालों का झड़ना लोगों के लिए बहुत आम हो चुका है। यह समस्या महिला हो या पुरुष सभी में नजर आती है। जी हाँ और इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसमें खराब लाइफस्टाइल और वातावरण को होने वाला नुकसान भी शामिल हैं। हालाँकि आप इन सभी से राहत पाने के लिए चुकंदर का इस्तेमाल कर सकते हैं। आज हम आपको चुकंदर के रस से बालों के लिए होने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हे जानकर आपको यकीन नहीं होगा।

ड्राईनेस- ठंड के मौसम में बालों में नमी की कमी हो जाती है और ऐसे में ड्राईनेस का आना आम होता है। ऐसे में इस समस्या से निजात पाने के लिए आप चुकंदर के रस को स्कैल्प में लगा सकते हैं। आप सभी को बता दें कि चुकंदर में मौजूद विटामिन ई और ए बालों की ड्राईनेस को दूर करने में कारगर होते हैं। इसके लिए चुकंदर को कद्दूकस करके इसका रस निकालें और स्कैल्प में इसे 30 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद नहाते समय इसे गुनगुने पानी से रिमूव करें।

डैंड्रफ- बालों में डैंड्रफ के कारण खुजली की समस्या भी होने लगती है और ऐसे में डैंड्रफ से निजात पाने के लिए भी स्कैल्प में चुंकदर का रस लगाना बेस्ट रहते हैं। जी दरअसल इसके लिए चुकंदर के रस को बालों में शैंपू करने से ठीक 15 मिनट पहले लगाएं और फिर नहा लें।

ब्लड सर्कुलेशन करें ठीक- चुकंदर के रस का सेवन करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, हालाँकि अगर स्कैल्प में इसे नियमित रूप से लगाया जाए, तो ऊपर से भी ब्लड सर्कुलेशन में सुधार लाता है। अगर आप चाहे तो गुनगुने पानी में चुकंदर के रस को मिलाकर इसकी सिर में मालिश करें।

हेयर फॉल- इस समस्या के लिए भी आप चुकंदर के रस की मदद ले सकते हैं। चुकंदर के रस को लगाने से बालों की जड़े मजबूत होती है। जी दरअसल इसमें पोटेशियम भी मौजूद होता है, जो बालों को पतला और कमजोर होने से बचाता है। (आरएनएस)

एयर फ्रायर में बहुत आसानी से बनाए जा सकते हैं स्वादिष्ट व्यंजन!

एयर फ्रायर की मदद से डीप फ्राई व्यंजनों को कम तेल में बनाया जाता है, जिसके कारण ऐसे व्यंजनों का सेवन सेहत को नुकसान नहीं पहुंचता है। हालांकि, अगर आपने हाल ही में एयर फ्रायर खरीदा है और आपको समझ नहीं आ रहा है कि इसमें क्या-क्या बनाया जा सकता है तो आपकी इस उलझन को हम दूर किए देते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे स्वादिष्ट व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें एयर फ्रायर में बनाना आसान है।

फ्रेंच फ्राइज

सबसे पहले एयर फ्रायर को प्रीहीट करें और इसकी टोकरी में नॉन-स्टिक स्प्रे छिड़कें। इसके बाद आवश्यकतानुसार आलू को पानी से धोकर छिलें, फिर सारे आलू को फ्रेंच फ्राइज की तरह काट लें। इसके बाद आलू को पेपर से थपथपा कर सुखाएं। अब एक बड़े कटोरे में सारे कटे आलू, एक चम्मच तेल और स्वादानुसार नमक को मिलाकर एयर फ्रायर की टोकरी में रखें और जब फ्रेंच फ्राइज क्रिस्पी दिखें तो एयर फ्रायर को बंद करके इसे परोसें।

गार्लिक ब्रेड

गार्लिक ब्रेड बनाने के लिए सबसे पहले एयर फ्रायर को प्रीहीट करें। इसके बाद एक कटोरे में मक्खन, परमेसन चीज़, बारीक पीसी लहसुन की कुछ कलियां और बारीक कटा पार्सले और स्वादानुसार नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण को ब्रेड की स्लाइस पर समान रूप से फैलाएं और इन्हें एयर फ्रायर की टोकरी में रखकर इसे चालू कर दें। दो से तीन मिनट के अंदर गर्लिक ब्रेड बनकर तैयार हो जाएगीं, जिसे आप टोमैटो सॉस के साथ परोस सकते हैं।

आलू के चिप्स

इसके लिए भी सबसे पहले एयर फ्रायर को प्रीहीट करें। इसके बाद आवश्यकतानुसार आलू को पानी से धोकर छिलें, फिर सब्जी के छिलके छिलने वाले चाकू का इस्तेमाल करके आलू पतला-पतला काट लें। अब सारी आलू की स्लाइस को एक बड़े बाउल में बर्फ के पानी में 15 मिनट के लिए भिगो दें, फिर सारी स्लाइस को छानकर सुखाएं, फिर इन पर कुकिंग ऑयल और नमक छिड़ककर पांच से आठ मिनट के लिए एयर फ्रायर में पकाएं।

स्टफ शकरकंद

सबसे पहले एयर फ्रायर को प्रीहीट करें और इसकी टोकरी में चार शकरकंद को रखकर ब्रश से जैतून का तेल लगाएं, फिर एयर फ्रायर को शकरकंद के गलने तक चलाएं। इसके बाद शकरकंद को लंबाई में काटकर इनका गूदा एक कोटरे में निकालें, फिर कटोरे में पालक, पनीर, प्याज को स्वादानुसार नमक और एक चुटकी काली मिर्च के साथ मैश करें। अब इस मिश्रण को शकरकंद के छिलके में डालकर एयर फ्रायर में 10 मिनट तक पकाने के बाद परोसें।

शब्द सामर्थ्य -111

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4		■	■	5
	■	6			■	7		
8	9	■	■	10	11		■	
■		■	12	■	13			
14		■	15				■	■
■	16			■	■	■	17	18
19	■	■	20	21	22	■	23	
	■	24	■	25		26		■
27					■	28		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 110 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की तैयारियों में जुटी अभिनेत्री जान्हवी कपूर

करण जौहर ने पिछले साल नवंबर महीने में अपनी एक फिल्म की अनाउंसमेंट की थी जिसका नाम मिस्टर एंड मिसेज माही है। इस फिल्म के ऐलान के साथ ही उन्होंने स्टारकास्ट का भी खुलासा किया था। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगे। फिलहाल हम आपको बता दें कि जान्हवी कपूर अपनी इस फिल्म की तैयारियों में जुट गई हैं, जिसकी कुछ झलकियां उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया है, जिसमें क्रिकेटर दिनेश कार्तिक भी दिखाई दे रहें हैं। दिनेश कार्तिक खुद जान्हवी कपूर को इस फिल्म के लिए क्रिकेट की ट्रेनिंग दे रहें हैं, जान्हवी इस फिल्म में जमकर छक्के चौके लगाते हुए नजर आने वाली है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए जान्हवी ने कैप्शन में लिखा, क्रिकेट कैंप!! ममिस्टर एंड मिसेज माही। फिल्म की कहानी निखिल मेहरोत्रा और शरण शर्मा ने मिलकर लिखा है। फिल्म का डायरेक्शन शरण शर्मा ही करेंगे। राजकुमार राव फिल्म में महेंद्र की भूमिका निभाएंगे, जबकि जान्हवी फिल्म में महिमा का किरदार निभाती नजर आएंगी।

मैं आज के समय में दोनों अलग अलग तरह की फिल्मों में काम कर सकता हूं:अर्जुन

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर का 2022 के लिए लाइनअप काफी दिलचस्प है। वह न केवल एंटरटेनर एक विलेन 2 में नजर आएंगे, बल्कि कुत्ते और द लेडीकिलर में भी अपने अभिनय का जलवा बिखेरेंगे। 36 वर्षीय अभिनेता खुश हैं कि वह हिंदी फिल्मों के दोनों पहलुओं को तलाशने की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि अब मेरे पास एक विलेन 2 जैसी हार्डकोर फिल्में हैं और दूसरी ओर, द लेडीकिलर और कुत्ते जैसी परियोजनाएं भी हैं, जिसका अर्थ है कि फिल्म निर्माता मानते हैं कि मैं आज दोनों तरह की फिल्मों में काम कर सकता हूं। अर्जुन ने खुलासा किया कि वह फिल्म निर्माताओं को साबित करना चाहते थे कि अगर उन्हें मौका दिया जाए तो वह एक ठोस प्रदर्शन कर सकते हैं और यह संदीप और पिंकी फरार से लोगों को पता चला है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि जिस चीज ने मास्टर कहानीकारों के विश्वास को बढ़ाया है, वह है संदीप और पिंकी फरार में मेरा प्रदर्शन है, क्योंकि मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर गया हूं। मैं सभी को साबित करना चाहता था कि लोग मुझ पर काम कर सकते हैं। अर्जुन ने कहा कि मेरे लिए नए दरवाजे खोलने और मुझे एक अभिनेता के रूप में अपनी यात्रा और प्रगति दिखाने की कोशिश करने वाली परियोजनाओं को खोजने में मदद करने के लिए मैं इस परियोजना का हमेशा ऋणी रहूंगा।

2022 मेरे लिए काफी वयस्त साल होने वाला है:ताहिर राज भसीन

2014 में मदार्नी से अभिनय की शुरूआत करने वाले अभिनेता ताहिर भसीन 2022 को एक संक्रमण काल के रूप में देख रहे हैं। इस साल वह काफी बिजी है। ताहिर ने मदार्नी में एक नकारात्मक किरदार निभाने के बाद सुर्खियां बटोरीं थी। जिसके बाद फोर्स 2, मंटो, छिछोरे और 83 जैसी कई अन्य फिल्मों में उनके अभिनय को बहुत सराहा गया। अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए, ताहिर ने बताया कि मैं आठ साल की यात्रा के बाद एक अभिनेता के रूप में विकसित हुआ हूं, मैं एक व्यक्ति के रूप में विकसित हुआ हूं। जब मैं काम कर रहा होता हूं तो मेरी एकमात्र प्रतिस्पर्धा खुद से होती है। उनकी नवीनतम रिलीज नेटफ्लिक्स पर श्रृंखला ये काली काली आँखें, वूट सेलेक्ट पर रंजीश ही सही है और नवोदित लेखक-निर्देशक आकाश भाटिया द्वारा निर्देशित उनकी आगामी फिल्म लूप लपेटा रिलीज के लिए तैयार है। वह एक रोमांटिक हीरो के रूप में फीचर करके खुश हैं। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए एक खूबसूरत दौर है क्योंकि मैं 2022 को मुख्य भूमिकाओं के लिए संक्रमण काल के रूप में देख रहा हूं और रोमांटिक ड्रामा और हीरो स्पेस में आ रहा हूं।

शारवानंद-स्टारर ओके ओका जीवथम का सेंटीमेंटल ट्रैक रिलीज हुआ

शरवानंद और अक्किनेनी अमला अभिनीत फिल्म ओके ओका जीवथम का गीत अम्मा बुधवार को जारी किया गया। शारवानंद को नायक के रूप में और अक्किनेनी अमला ने ओके ओका जीवितम में अपनी माँ की भूमिका निभाई, भावुक गीत में उनके माँ-बेटे के बंधन को दिखाया गया है। सनसनीखेज गायक सिड श्रीराम द्वारा गाया गया है, इस गीत की रमणीय रचना जेक बिजॉय द्वारा की गई है। साथ ही, इस विशेष गीत का अनावरण अखिल अक्किनेनी ने किया, जो अक्किनेनी नागार्जुन और अमला के पुत्र हैं। अखिल ने अपने इमोशनल नोट के जरिए यह गाना अमला को समर्पित किया, जो इसे और खास बनाता है। अखिल ने अम्मा गीत जारी करते हुए लिखा, हैशटैग ओके ओका जीवथम से अम्मा गीत को रिलीज करके बहुत खुश हूं। गाना दिल को छू लेने वाला है। मैं इस गीत को अपनी प्यारी मां को समर्पित करता हूं। पूरी टीम को शुभकामनाएं। फिल्म ओके ओका जीवथम टॉलीवुड उद्योग में अभिनेता शारवानंद की 30वीं फिल्म है।(आरएनएस)

मैं प्लास्टिक की गुड़िया नहीं हूं: कृति सेनन

बालीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने एक इंटरव्यू में उस दौर को याद किया, जब वे बॉडी शेमिंग का शिकार हुई थीं। कृति ने कहा, 'एक समय था, जब मुझसे कहा गया कि मैं अपने होठों को फुलर लुक देने के लिए कुछ करूं। यह मुझे समझ में नहीं आया। मुझे यह भी बताया गया कि जब मैं मुस्कुराती हूं तो मेरी नाक थोड़ी फूल जाती है। जब मैं मुस्कुराती हूं या हंसती हूं, तो वे कभी-कभी ऐसा कहते हैं, लेकिन यह नॉर्मल बात है। मैं प्लास्टिक की गुड़िया नहीं हूं।

लोगों ने मुझसे कहा कि मुस्कुराते समय आपके मसूड़े नजर आते हैं।'कृति आगे कहती हैं, 'मैं जिस खासियतों के साथ पैदा हुई हूं, उसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। ये छोटी-छोटी बातें हैं जिसे लोग सीधा-सीधा नहीं कहते। मुझे ऐसा लगता है कि यह बातें हर कोई सुनता है। किसी ने मुझसे कहा था कि अब इस तरह का प्रेशर नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि इंस्टाग्राम फिल्टर की वजह से यह प्रेशर बढ़ रहा है।

हर कोई हर वक्त परफेक्ट रहना चाहता है।' अनोखी बात यह है कि कृति को अपनी कमर का साइज कम करने के लिए भी कहा गया। वे कहती हैं, 'मैं इन सब चीजों से गुजरी हूं, कई बातें सुनी हैं। किसी ने मुझे अपनी कमर थोड़ी और अंदर करने को कहा। कभी-कभी लोग बेवजह भी बातें कहते हैं। आपको तय करना होगा कि आप हर किसी की बातें नहीं सुनेंगे।'काम की बात करें, तो साल 2022 में कृति सेनन के पास कई दिलचस्प फिल्में हैं।

वे अक्षय कुमार के साथ एक्शन कॉमेडी 'बच्चन पांडे', प्रभास के साथ 'आदिपुरुष', कार्तिक आर्यन के साथ 'शहजादा', वरुण धवन के साथ 'भेड़िया' और टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन थ्रिलर 'गणपथ' में नजर आएंगी। बता दें ?कि कृति सेनन की गिनती बॉलीवुड की सबसे सफल एक्ट्रेस में होती है। उन्होंने पिछले साल फिल्म 'मिमी' में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था और इस साल उनकी पांच फिल्में रिलीज होने वाली हैं।(आरएनएस)

सामंथा रुथ प्रभु लाइगर में आइटम डांस करती नजर आ सकती हैं

दक्षिण भारत की ख्यातनाम अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों जहाँ अपनी वैवाहिक जिन्दगी में आए बिखराव को लेकर चर्चाओं में हैं, वहीं दूसरी ओर वे पुष्पा: द राइज के अपने करियर के पहले आइटम नम्बर को लेकर भी खासी चर्चा पा रही हैं।

कहा जा रहा है कि यह गीत पुष्पा: द राइज की सफलता में वही भूमिका निभा रहा है जो कभी शाहरुख की रईस में सनी लियोन के गीत लैला मैं लैला ने निभायी थी। पुष्पा : द राइज में सामंथा के सफल आइटम नम्बर के बाद अब दक्षिण का हर निर्माता निर्देशक चाहता है कि उनकी फिल्म में सामंथा का आइटम नंबर हो। हर निर्माता सामंथा को अपनी फिल्म के लिए साइन करना चाहता है। निर्माताओं को लगता है कि अगर सामंथा उनकी फिल्म में भी आइटम डांस कर देंगी तो उनकी फिल्म के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाएगी। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, विजय देवरकोंडा की अपकमिंग पहली हिन्दी फिल्म लाइगर के लिए भी सामंथा को अप्रोच किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, निर्देशक पुरी जगन्नाथ इन दिनों अपनी पैन इंडिया फिल्म लाइगर को रिलीज करने की तैयारियों में जुटे हुए हैं। निर्माताओं को लगता है कि फिल्म में एक धमाकेदार डांस नम्बर होना चाहिए, ताकि दर्शक सिनेमाघरों में झूमने को मजबूर हो जाए। फिल्म के निर्माता इस आइटम डांस के लिए अदाकारा सामंथा को लेने की सोच रहे हैं। उन्हें लगता है कि सामंथा इस आइटम डांस के लिए एकदम परफेक्ट च्वाइस होंगी।

सामंथा ने पर्दे पर कई धमाकेदार रोल निभाए हैं और फिल्म पुष्पा में उन्होंने अपने आइटम डांस से फैंस का दिल धडक़ाया है। सामंथा को इन दिनों कई आइटम डांस के ऑफर आ रहे हैं लेकिन वो उन्हें सोच समझकर साइन कर रही हैं। सामंथा ने लाइगर निर्माताओं को भी अभी तक हां नहीं बोली है। सामंथा इन दिनों लाइगर के निर्माताओं के ऑफर पर सोच-विचार कर रही हैं। फिल्म लाइगर में विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे मुख्य किरदारों में दिखाई देंगे। यह मुंबई के स्लम में रहने वाले एक बॉक्सर की कहानी होगी, जो विश्वस्तर पर नाम कमाता है। फिल्म लाइगर में जाने-माने बॉक्स माइक टायसन का स्पेशल कैमियो भी होगा।

9 फरवरी को जारी होगा बच्चन पांडे का ट्रेलर

अक्षय कुमार अभिनीत बच्चन पांडे का रश प्रिंट देखने के बाद इस फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने अपनी फिल्म को सीधे ओटीटी प्लेटफार्म पर देने के स्थान पर उसे सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने का निर्णय लिया और आधिकारिक तौर पर अक्षय कुमार ने बयान जारी करके कहा कि उनकी फिल्म बच्चन पांडे 18 मार्च को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। इस फिल्म को लेकर ट्रेड एक्सपर्ट्स के साथ दर्शकों को भी उम्मीद है कि यह उनकी पसन्दीदा फिल्मों में शामिल होगी। पिछले कई दिनों से दर्शक इस फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं, आज इस फिल्म के ट्रेलर जारी होने की तारीख लीक हो गई है।

रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बच्चन पांडे का ट्रेलर 9 फरवरी 2022 के दिन जारी होगा। फिल्म से जुड़े सूत्र ने पोर्टल को जानकारी दी है, 'बच्चन पांडे की टीम ने अक्षय कुमार के फैंस को 9 फरवरी 2022 के दिन सरप्राइज देने का प्लान बनाया है। मेकर्स चाहते हैं कि बच्चन पांडे की रिलीज डेट से एक महीना पहले दर्शकों के सामने ट्रेलर रिलीज किया जाए। फिल्म बच्चन पांडे का ट्रेलर एक्शन, कॉमेडी, रोमांस, और ड्रामा का मिक्सचर होगा। बच्चन पांडे में अक्षय कुमार के साथ-साथ जैकलीन फर्नांडिस, कृति सेनॉन, अरशद वारसी, स्नेहल डाबी, पंकज त्रिपाठी, प्रतीक बब्बर और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार मुख्य किरदारों में दिखाई देंगे। बच्चन पांडे का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है जो इससे पहले साजिद नाडियाडवाला के लिए हाउसफुल-4 का निर्देशन कर चुके हैं।

ज्ञातव्य है कि 18 मार्च 2022 के दिन ही बॉक्स ऑफिस पर रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म शमशेरा का प्रदर्शन भी होने जा रहा है। इस फिल्म में रणबीर कपूर पहली बार दोहरी भूमिका के साथ-साथ एक डकैत के रूप में दिखाई देंगे। यशराज बैनर की इस फिल्म में संजय दत्त और वाणी कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। शमशेरा और बच्चन पांडे के क्लैश को साल 2022 के सबसे बड़े क्लैशेज में से एक माना जा रहा है। इस टकराव को लेकर बॉक्स ऑफिस थोड़ा चिंतित है। (आरएनएस)

देश में सुशासन के लिए केंद्र और राज्यों को साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता

बी के चतुर्वेदी

हाल में मीडिया में ऐसी कई रिपोर्टें आयीं हैं, जिसमें केंद्र सरकार के विभिन्न स्तरों पर आईएएस अधिकारियों की कमी को पूरा करने के लिए आईएएस सेवा नियमों में संशोधन के भारत सरकार के प्रस्तावित कदम को लेकर कई राज्य सरकारों की गंभीर चिंताओं का जिक्र है। वर्तमान व्यवस्था के तहत, राज्यों से अधिकारी स्वेच्छा से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति का विकल्प चुनते हैं। केंद्र इन अधिकारियों में से रिक्त पदों के लिए या निकट भविष्य में रिक्त होने वाले पदों के लिए चयन करता है। ऐसा करते समय केंद्र, अधिकारी के पिछले अनुभव के आधार पर उसकी उपयुक्तता पर विचार करता है। एक बार चयन को अंतिम रूप देने के बाद, राज्य सरकार से संबंधित अधिकारी को कार्यमुक्त करने का अनुरोध करते हुए आदेश जारी किए जाते हैं। प्रत्येक राज्य का एक निश्चित कोटा होता है, जिससे ज्यादा उसके अधिकारियों को केंद्र द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है।

पिछले दशक में, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति का विकल्प चुनने वाले अधिकारियों की संख्या में क्रमिक गिरावट आई है। 6० के दशक में जहां अवर सचिव स्तर पर भी कई आईएएस अधिकारी होते थे, वहीं वर्तमान में केंद्र सरकार के लिए संयुक्त सचिव स्तर पर भी पर्याप्त संख्या में अधिकारियों का मिलना मुश्किल होता जा रहा है। आमतौर पर, राज्यों की कुल संवर्ग संख्या में से लगभग 25 से 3० प्रतिशत अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हुआ करते थे। वर्तमान में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में 1० प्रतिशत से भी कम अधिकारी कार्यरत हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में यह संख्या 8 से 15 प्रतिशत के बीच है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए पहले अधिकारियों में एक आकर्षण हुआ करता था। इसे अधिकारी की योग्यता के रूप में देखा जाता था। चयन प्रक्रिया कठिन थी। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए अधिकारियों की इस अनुपलब्धता का एक कारण करीब डेढ़ दशक पहले के कुछ वर्षों में अधिकारियों की अपर्याप्त भर्ती थी। लेकिन एक महत्वपूर्ण कारण है- राज्यों के पास तुलनात्मक रूप से बेहतर सेवा शर्तें हैं। हालांकि नियमों में किसी भी बदलाव के पहले यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि केंद्र और राज्यों में अधिकारियों की कमी में संतुलन रहे। यदि राज्य में अधिकारियों की कमी है, तो केंद्र को इसे स्वीकार करना चाहिए और वर्ष की शुरुआत में राज्य के साथ एक उचित व्यवस्था करनी चाहिए। राज्यों पर भी इसी तरह की जिम्मेदारी है।

नियमों में प्रस्तावित बदलावों को उपरोक्त आधार पर स्पष्ट रूप से गलत नहीं ठहराया जा सकता। इसका उद्देश्य एक किस्म की विसंगति को दूर करना है। राज्यों की संवर्ग संख्या निर्धारित करते समय उच्च स्तर के कर्तव्य वाले लगभग 4० प्रतिशत पद केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए रखे जाते हैं। इसलिए केन्द्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक निश्चित संख्या में पदों को रखे जाने के बारे में राज्यों के लिए नियुक्ति और स्वीकृत पदों की प्रक्रिया से संबंधित एक अंतर्निहित प्रावधान है। अतीत में हुई अपर्याप्त भर्तियों को देखते हुए नियमों में प्रस्तावित बदलाव केंद्र और राज्यों के बीच इस कमी को समान रूप से साझा करने का प्रावधान करता है। चूंकि रिक्तियों को समय पर भरे जाने की जरूरत होती है, इसलिए समय-सीमा से जुड़ा एक सुझाव भी है जिसके भीतर राज्यों को जवाब देना चाहिए और प्रतिनियुक्ति के लिए चयनित अधिकारी को कार्यमुक्त करना चाहिए।

हालांकि, राज्यों की भी कई चिंताएं हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। यह स्पष्ट रूप से समझना होगा कि राज्यों के साथ चर्चा के दौरान जब वे उन अधिकारियों की सूची देते हैं जिन्हें वे केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए भेजना चाहते हैं, तो यह विशुद्ध रूप से राज्यों का प्रस्ताव होगा। यह प्रस्ताव राज्य की अपनी जरूरतों को ध्यान में रखकर होगा और फिर अतीत में हुई भर्ती में कमी को समान रूप से साझा करते हुए केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए नामों की पेशकश की जायेगी।

केन्द्र अगर किसी अधिकारी को चाहता है, तो वह राज्य को इस आशय सुझाव देगा। यदि दोनों सहमत होते हैं, तो उक्त अधिकारी को केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर रखा जाएगा। यदि राज्य प्रतिनियुक्ति के लिए उस अधिकारी के नाम का सुझाव नहीं देना चाहता है, तो संवर्ग नियमों के तहत इस संबंध में शक्ति होने के बावजूद केन्द्र राज्य के विचारों का सम्मान करेगा। अतीत के अनुभवों से यह पता चलता है कि केन्द्र द्वारा अपनी शक्तियों का ऐसा प्रयोग प्रतिकूल साबित होता है। संवर्ग प्रबंधन के संदर्भ में इसके नतीजे अच्छे नहीं होते हैं।

केंद्र सरकार को यह समझना होगा कि संवर्ग प्रबंधन की उत्कृष्ट सफलता सुनिश्चित करने हेतु उप सचिव और निदेशक स्तर के अधिकारियों के लिए कार्य परिस्थितियों को बेहतर करना अत्यंत आवश्यक है। यदि बड़ी संख्या में अधिकारी अपनी इच्छा व्यक्त करते हैं और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति का विकल्प चुनते हैं, तो राज्यों पर संबंधित नामों की पेशकश करने का दबाव होगा। वहीं, दूसरी ओर यदि केवल कुछ ही अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति का विकल्प चुनते हैं, तो राज्य सरकार संबंधित अधिकारियों को दिल्ली जाने का विकल्प चुनने के लिए विवश करेगी। इस स्तर के कई अधिकारियों को दिल्ली में अपने बच्चों की शिक्षा, आवागमन और काफी महंगे जीवनयापन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन मुद्दों को अवश्य ही सुलझाना होगा। राज्यों को भी इस मुद्दे पर विरोधात्मक या प्रतिकूल नजरिए से नहीं, बल्कि सकारात्मक सोच के साथ गौर करना होगा, जिसके तहत केंद्र और राज्य दोनों की ही जरूरतों में उचित सामंजस्य बैठाना और पूरा करना है। प्रस्तावित संशोधन के तहत केवल संबंधित अधिकारियों की कमी को पूरा करने और जहां आवश्यक हो इसे साझा करने की एक व्यवस्था सुझाई गई है। इसके साथ ही केंद्र सरकार को चाहिए कि वह केंद्रीय सत्ता के दुरुपयोग को लेकर राज्यों की आशंकाओं को दूर करे। आने वाले वर्षों में केंद्र में डीएस और निदेशक के स्तर पर उच्च अधिकारियों की कमी होगी। अत- केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के जरिए इनमें से कुछ कमी को पूरा करने पर विचार करना चाहिए। दरअसल, इनमें से कई वरिष्ठ अधिकारी अत्यंत काबिल हैं और वे दो वर्षों तक सचिवीय कार्य की आवश्यकताओं को बखूबी पूरा कर सकते हैं।

(लेखक पूर्व कैबिनेट सचिव हैं)

आदित्य नारायण के घर जल्द ही दस्तक देने वाली है खुशियां

सिंगर आदित्य नारायण के घर जल्द ही खुशियां दस्तक देने वाली है। उन्होंने हाल ही में अनाउंस किया था कि वे और उनकी वाइफ श्वेता अग्रवाल जल्द ही माता-पिता बनने वाले है। इस गुड न्यूज़ के सामने आने के बाद फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स इस कपल को जमकर बधाईया दे रहें हैं।

वहीं अब आदित्य ने बेबी शॉवर की कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की है, जिसे खूब पसंद किया जा रहा है। इन तस्वीरों में यह कपल व्हाइट कपड़ों में नजर आ रहा है। वहीं पत्नी श्वेता के चेहरे पर प्रेगनेंसी ग्लो साफ झलक रहा है।

बेबी शॉवर के दौरान पत्नी श्वेता ने ऑफ शोल्डर वाइट ड्रेस पहनी हुई है और आदित्य उनके पीछे खड़े हुए पोज दे रहें हैं। आदित्य ने तीन तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें से एक में आदित्य श्वेता के गालों पर किस करते दिख रहे हैं।

श्वेता और आदित्य की इन तस्वीरों पर कई सेलेब्स के साथ-साथ फैंस और फॉलोवर्स भी अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है। अब सभी को उसपल का इंतजार है कि कब इनके जीवन में नन्हा मेहमान आएगा।

आपको बता दें कि आदित्य और श्वेता ने 1 दिसंबर, 2०2० को मुंबई के इस्कॉन मंदिर में शादी की थी। दोनों ने करीबन 1० साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 111

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.110 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

शहादत की ज्योति

पिछली आधी सदी से इंडिया गेट पर प्रज्वलित 'अमर जवान ज्योति' हर देशवासी को राष्ट्र की बलिदानी गाथा से जोड़ती रही है।

अमर जवान ज्योति 26 जनवरी, 1972 को अस्तित्व में आई थी, जिसे वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध में शहीद जवानों की स्मृति में प्रज्वलित किया गया था। वहीं 25 फरवरी, 2०19 को इसके निकट ही राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन हुआ, जहां आजाद भारत में शहीद हुए पच्चीस हजार से अधिक जवानों के नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित हैं, जिनकी याद में वहां भी अमर जवान ज्योति प्रज्वलित है। मोदी सरकार ने दोनों ज्योतियों के विलय के बारे में फैसला लिया था और देश के महानायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जन्मशती को इस मौके के रूप में चुना।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया गेट पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया और ऐतिहासिक गलती सुधारने की बात कही। साथ उन असंख्य बलिदानी स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण किया जो त्याग और बलिदान के बावजूद चर्चाओं में न आ सके। दरअसल, इंडिया गेट 1921 में प्रथम विश्व युद्ध तथा तीसरे एंग्लो अफगान युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की याद में बनाया गया था। सत्ता पक्ष के लोग जहां इसे साम्राज्यवादी ब्रिटिश सत्ता का प्रतीक मानते रहे हैं वहीं विपक्षी दलों का कहना है कि आजादी से पहले भारतीय सैनिकों के बलिदान को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। अतीत को लेकर एक समग्र दृष्टि की जरूरत है।

बहरहाल, देश में एक समग्र राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की कमी जरूर पूरी हुई है जो देश के बहादुर शहीद सैनिकों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का ही पर्याय है। इसका निर्माण भी नई दिल्ली में विकसित सेंट्रल विस्टा एवेन्यू में इंडिया गेट के पास ही किया गया है जहां अमर जवान ज्योति का विलय राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में प्रज्वलित ज्योति में हुआ है। निस्संदेह, कृतज्ञ राष्ट्र अपने शहीदों के बलिदान से कभी उऋण नहीं हो सकता है। उनके बलिदान की अखंड ज्योति हमेशा नई पीढ़ी को प्रेरणा देती रहेगी कि देश ने अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिये कितनी बड़ी कीमत चुकायी है।

बहरहाल, यह तार्किक ही है कि शहादत को समर्पित ज्योति को दिल्ली में एक ही स्थान पर रखा जाना चाहिए। हालांकि, इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति की अमिट स्मृतियां भारतीय जनमानस के दिलो-दिमाग में सदैव ही रही हैं। इस मार्ग से गुजरते लोगों का ध्यान बरबस इस ओर सम्मान से चला ही जाता था। वहीं सरकार व सेना का मानना रहा है कि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक ही वह एकमात्र स्थान हो सकता है जहां शहीदों को गरिमामय सम्मान मिल सकता है। दूसरी ओर, इंडिया गेट क्षेत्र में छत्र के नीचे जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा लगायी गई है, वहां कभी इंग्लैंड के पूर्व राजा जॉर्ज पंचम की प्रतिमा हुआ करती थी। निस्संदेह स्वतंत्र भारत में उसका कोई स्थान नहीं हो सकता था। माना जा रहा है कि इस महत्वपूर्ण स्थान में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा का लगाया जाना, उनके अकथनीय योगदान का सम्मान ही है। विगत में सरकारों के अपने आदर्श नायक रहे हैं और उन्हीं के स्मारक नजर भी आते हैं, जिसके मूल में वैचारिक प्रतिबद्धताएं भी शामिल रही हैं। इसके बावजूद देशवासियों में आत्मसम्मान व गौरव का संचार करने वाले नायकों को उनका यथोचित सम्मान मिलना ही चाहिए जो कालांतर में आम नागरिकों में राष्ट्र के प्रति समर्पण व राष्ट्रसेवा का भाव ही जगाते हैं। शहादत की अमर ज्योति भी देशवासियों के दिलों में शहीदों के प्रति उत्कट आदर की अभिलाषा को ही जाग्रत करती है। वहीं स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमा देश की स्वतंत्रता की गौरवशाली लड़ाई का पुनर्स्मरण भी कराती है कि हमने आजादी बड़े संघर्ष व बलिदान से हासिल की थी। ऐसे में यदि ज्योति में ज्योति मिलने से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की आभा में श्रीवृद्धि होती है तो यह बलिदानियों का कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा किया जाने वाला सम्मान ही कहा जायेगा। वहीं नेताजी की प्रतिमा लगने से इंडिया गेट को भी प्रतिष्ठा मिलेगी। (आरएनएस)

हरियाणा से लाई जा रही 30 पेटी अंग्रेजी शराब सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। विधानसभा चुनावों में इस्तेमाल के लिए हरियाणा से तस्करी कर लायी जा रही भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब सहित पुलिस व सीआईयू द्वारा दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह सीआईयू हरिद्वार एवं कोतवाली रानीपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ शराब तस्कर विधानसभा चुनावों के मद्देनजर शराब तस्करी हेतू आने वाले है। सूचना पर सीआईयू व कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को पथरी रो पुल के पास से मीरपुर को जाने वाले रास्ते पर एक संदिग्ध सेंट्रो कार आती हुई दिखायी दी। टीम द्वारा जब कार को रोक कर तलाशी ली गयी तो उसमें रखी 30 पेटी हरियाणा ब्रांड की शराब बरामद हुई। कार सवार दो तस्करों से की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम सिद्धार्थ दाहिया उर्फ अमित पुत्र विजेन्द्र व बंसी कुमार उर्फ गोलू पुत्र अजीत सिंह निवासी सोनीपत हरियाणा बताया। बताया कि वह किसी अशोक नाम के व्यक्ति को राजा बिस्कुट के पास यह शराब सप्लाई करने जा रहे थे। पकड़ी गई शराब का सौदा 1 लाख 50 हजार में तय हुआ था। बहरहाल पुलिस ने उन्हे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

मतदान हेतु चलाया जनजागरण अभियान

देहरादून (संवाददाता)। माता वैष्णो देवी गुफा योग मन्दिर टपकेश्वर में 14 फरवरी को मतदान करने के जनजागरण अभियान चलाया गया।

आज यहां माता वैष्णो देवी गुफा योग मन्दिर टपकेश्वर महादेव में लोगों को आगामी 14 फरवरी को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाया गया। 'वोट की चोट से बनेगी देवभूमि उत्तराखण्ड की तकदीर और तस्वीर' ना भावनाओं में बहकर, ना किसी प्रलोभन में, देवभूमि उत्तराखण्ड का चहुमुखी विकास हो मन में। जैसे सुलोगन लिखा पोस्टर का लोकार्पण आध्यात्मिक गुरू आचार्य विपिन जोशी ने किया।

उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड में तीर्थाटन, योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, जैविक खेती, बागवानी आदि क्षेत्र में अपार सम्भावनाएं अतः हमें ठंडे मन से सोच विचार करके अच्छे प्रत्याशियों का चयन करना चाहिए। दूसरी ओर विशेष गुप्त नवरात्रि पूजा अनुष्ठान में आज भी विधि विधान के साथ पूजा अर्चना के साथ-साथ श्री दुर्गा सप्तशती पाठ, विशेष श्रृगार आरती की गयी। आज के कार्यक्रम में हर्षपति रयाल, दीपेन्द्र नौटियाल, गणेश बिजलवान, नीरज डोभाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

चिकित्सकों पर हमला करने वाला दूसरा आरापी भी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने कोरोनेशन हस्पताल में चिकित्सकों पर हमला करने वाले दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 जनवरी को कोरोनेशन अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक रमेश चन्द्र सिंह पंवार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि में मृतक अनुज के परिवार वालों ने डयूटी पर तैनात डॉक्टर गौरंग जोशी फार्मासिस्ट श्याम लाल बिजलवान, वार्ड बॉय सुधीर बेलवाल व सुरक्षकर्मी पीआरडी जवान लखपत सिंह के साथ अपने परिजन की मौत पर हंगामा करते हुए मार पिटाई की गयी जिससे अस्पताल स्टाफ को चोंटे आई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी ना होने पर डॉक्टर हडताल पर चले गये थे। पुलिस ने 31 जनवरी को एक आरोपी संजीव को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि दूसरे को पुलिस तलाश कर रही थी। आज पुलिस ने दूसरे आरोपी पंकज कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया।

राज्य के कई जिलों में भारी बारिश व बर्फबारी, एसडीआरएफ अलर्ट

हमारे संवाददाता

देहरादून। मौसम विभाग द्वारा 3 व 4 फरवरी को राज्य के कुमाऊँ परिक्षेत्र के जनपदों में कुछ स्थानों में भारी से बहुत भारी वर्षा व बर्फबारी, गर्जन के साथ ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली चमकना तथा गढ़वाल परिक्षेत्र के देहरादून, हरिद्वार व पौड़ी में भारी वर्षा, गर्जन के साथ ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली चमकना व 2500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों में बर्फबारी होने का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग की इस चेतावनी को देखते हुए पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड, अशोक कुमार के निर्देश में सेनानायक एसडीआरएफ मणिकांत मिश्रा द्वारा एसडीआरएफ की टीमो को निर्देशित किया गया कि सभी अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क दृष्टि रखें। साथ ही नदी किनारे बसे गांवों, कस्बों को पी.ए. सिस्टम द्वारा अवगत कराया जाए। ताकि किसी भी जान-माल का खतरा उत्पन्न न हो तथा किसी भी आपात परिस्थिति के लिए पूर्णतः अलर्ट रहे व रेस्क्यू उपकरणों को भी कार्यशील दशा में रखा जाये।

एसडीआरएफ की 22 टीमों का व्यवस्थापन इस प्रकार है। जिसमें देहरादून में सहस्त्रधारा-चकराता। टिहरी में ढालवाला (ऋषिकेश), कोटि कॉलोनी, ब्यासी(कौड़ियाला)। उत्तरकाशी में उजेली, भटवाड़ी, बड़कोट। पौड़ी गढवाल में श्रीनगर, कोटद्वार, सतपुली। चमोली में गौचर, जोशीमठ। रूद्रप्रयाग में रतूड़ा, सोनप्रयाग। पिथौरागढ़ में पिथौरागढ़, अस्कोट। बागेश्वर में कपकोट। नैनीताल में नैनी झील, खैरना।अल्मोड़ा में सरियापानी व ऊधमसिंहनगर में रुद्रपुर शामिल है। सेनानायक एसडीआरएफ द्वारा एसडीआरएफ कंट्रोल रूम को भी अलर्ट पर रखा गया है व निर्देशित किया है कि सूचनाओं का आदान-प्रदान तत्काल किया जाए जिससे किसी भी घटनास्थल पर समय से पहुँच कर रेस्क्यू कार्य सुचारू किया जा सके।

चरस के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान लांघा रोड पर खुशहालपुर गांव की तरफ जाने वाले रास्ते से आती एक मोटरसाईकिल सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह वापस मुडकर भागने लगे तो पुलिस ने पीछा कर उनको पकड लिया।

तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से आधा किलो चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम गुलफाम पुत्र इरफान उर्फ भूरा व अफजल पुत्र इरफान दोनों निवासी खुशहालपुर बताया।

मसूरी व नैनीताल में मौसम का दूसरा हिमपात

देहरादून (सं)। नैनीताल व मसूरी में मौसम के दूसरे हिमपात से सैलानियों का जमावाडा शुरू हो गया और वही पहाड पर जाने वाले मार्ग में जाम की स्थिति बन गयी। आज प्रातः मौसम का मिजाज बिगडता देख सुबह से ही सैलानियों ने मसूरी का रूख कर लिया था। दोपहर को बर्फबारी होते ही सैलानियों के चेहरे खिल गये और वह बर्फबारी का लुत्फ उठाने लगे। यही स्थिति नैनीताल जनपद की भी दिखायी दी। नैनीताल में सुबह से ही बर्फबारी शुरू हो गयी थी तथा पहाडों से लेकर लोगों के बरामदे तक बर्फ से ढक गये। जहां स्थानीय लोगों ने घरों का रूख किया तो वहीं सैलानियों ने नैनीताल व मसूरी का रूख कर लिया।

अपहरणकर्ता गिरफ्तार युवती बरामद

देहरादून। पुलिस ने युवती के गायब होने के मामले में 24 घंटे में अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर युवती को बरामद कर लिया। गत दिवस रायवाला निवासी व्यक्ति ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कलियर निवासी रिहान पुत्र निसार उसकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। आज प्रातः पुलिस ने हरिपुर कलां के एक होटल में छापा मारकर वहां से रिहान को गिरफ्तार कर युवती को वहां से बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

मतदाताओं को जागरुक करना एडीआर का उद्देश्यः ध्यानी

संवाददाता

देहरादून। एडीआर के प्रदेश समन्वयक सैनिक शिरोमणि मनोज ध्यानी का कहना है कि उनका उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना है। एडीआर के प्रदेश समन्वयक सैनिक मनोज ध्यानी ने कहा कि जैसे जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) व उत्तराखंड इलेक्शन वॉच का अभियान भी जोर पकड़ने लगा है। उन्होंने कहा कि बेहद सीमित साधनों के बीच एडीआर -उत्तराखंड इलेक्शन वॉच की मुहिम जबरदस्त प्रभाव छोड़ रही है।

एडीआर -उत्तराखंड इलेक्शन वॉच लगातार मतदाताओं के बीच पहुंचकर जनसंवाद स्थापित कर रहा है व वोटरों को धनबल व बाहुबल के प्रभाव मे आकर वोट करने की प्रवृति से बचने का आग्रह कर रहा है। एडीआर, उत्तराखंड इलेक्शन वॉच की ओर से जारी बयान मे बताया गया है कि एडीआर-उत्तराखंड इलेक्शन वॉच के अभियान दल ने पिछले तीन दिन के भीतर राजपुर, मसूरी, विकासनगर, सहसपुर विधानसभा आदि का सघन दौरा किया है व मतदाता को वोट के अधिकार के प्रति जागरूक बनाने का भरसक प्रयास किया है।

इसी अभियान के तहत आज कचहरी स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर ध नबल व बाहुबल की राजनीती को परास्त करने का संकल्प लिया गया। एडीआर-उत्तराखंड इलेक्शन वॉच का फोकस पूरी तरह से युवाओं पर अधिक केंद्रित हो आया है व इस दिशा मे अब तक गाँधी पार्क देहरादून व विकासनगर मे युवाओं के साथ खुली बैठक (ओपन हाउस) सफलता पूर्वक आयोजित किये गए हैं। इसके अतरिक्त लगातार छोटे छोटे समूह मे जनसंवाद करना, मुख्य बाजारों मे पर्चा पोस्टर बाँटना, एकल संवाद , घर-घर जाकर कैंपेन चलना भी एडीआर -उत्तराखंड इलेक्शन वॉच के अभियान दल की स्ट्रेटेजी का हिस्सा बनी हुई हैं।

एक नजर

जब स्पीकर ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को स्कूली शिक्षा दी!

नई दिल्ली। बीते दिन बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान उचित संसदीय प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को स्कूली शिक्षा दी। सांसद राहुल गांधी द्वारा एक अन्य सांसद को बोलने की

अनुमति देने के बाद, स्पीकर ने कहा, यह अनुमति देने वाले आप कौन हैं? आप अनुमति नहीं दे सकते, यह मेरा अधिकार है। ओम बिरला ने आगे कहा, आपके पास है किसी को अनुमति देने का अधिकार नहीं है। केवल कुर्सी के पास किसी को कोई भी अनुमति देने का अधिकार है। कल राहुल गांधी जब सदन में मोदी सरकार पर हमलावर थे तो उन्होंने भाजपा सांसद कमलेश पासवान का भी नाम लिया। पासवना ने इसका विरोध किया और अपनी सीट से बोलने लगे। यह देख राहुल गांधी ने कहा, मैं एक लोकतांत्रिक व्यक्ति हूं और मैं दूसरे व्यक्ति को बोलने की अनुमति दूंगा। उनके इस बयान पर अध्यक्ष बिड़ला ने तीखी फटकार लगाई। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान कांग्रेस नेता को यह कहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए देखा गया, भारत पर एक राज्य के रूप में शासन नहीं किया जा सकता। राजा किसी की नहीं सुनते।

कोरोना वैक्सीन न लेने वाले 3000 से अधिक अमेरिकी सैनिक किए जा सकते हैं सेवामुक्त

नई दिल्ली । अमेरिका में कोरोना का कहर जारी है। इस बीच वैक्सीन न लेने वाले अमेरिकी सैनिकों पर कार्रवाई की बात कही गई है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को घोषणा की कि वह अनिवार्य कोविड–१६ टीकाकरण नियम का पालन करने से इनकार करने वाले सैनिकों को बर्खास्त करना शुरू कर देगी। सेना के सचिव क्रिस्टीन वर्मुथ ने एक बयान में कहा है कि बिना टीके

लगाए सैनिक सैन्य बलों की क्षमता को जोखिम में डाल सकते हैं। हम उन सैनिकों को अलग करने की कार्यवाही शुरू करेंगे जिन्होंने टीका लगाने के आदेश को मानने से इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक हजारों की संख्या में अमेरिकी सैनिकों ने टीकाकरण नहीं कराया है। सेना के सचिव क्रिस्टीन वर्मुथ के मुताबिक ३००० से अधिक सैनिकों को डिस्चार्ज किया जा सकता है। साल २०२१ के अंत तक सेना में ४८२,००० जवान सक्रिय तौर पर ड्यूटी पर तैनात थे। २६ जनवरी तक, दो बटालियन कमांडरों सहित छह हाई रैंक अधिकारियों को कोविड –१६ के खिलाफ टीकाकरण से इनकार करने के लिए उनके पदों से हटा दिया गया था। सेना ने उन ३,०७३ सैनिकों को लिखित रूप से फटकार लगाई है जिन्होंने वैक्सीन लेने से इनकार कर दिया है।

योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह पर हमला!

लखनऊ। नामांकन के लिए जा रहे योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह पर एक युवक ने हमले का प्रयास किया। इससे हड़कंप मच गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से ब्लेड और केमिकल बरामद किया गया है। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह बृहस्पतिवार को नामांकन करने के लिए जा रहे थे। इसी बीच एक युवक

जो भाजपा का पुराना कार्यकर्ता है उसने मंत्री पर हमले का प्रयास किया। वह मंत्री तक पहुंच पाता कि लोगों ने उसे दबोच लिया। इससे हड़कंप मच गया। उसे तत्काल पुलिस के हवाले कर दिया गया। भाजपा पार्षद अखिलेश सिंह ने बताया कि मौके पर वह भी मौजूद थे। आरोपी युवक सिद्धार्थनाथ तक नहीं पहुंच सका था। सिद्धार्थनाथ अपने कार्यालय से नामांकन के लिए निकल चुके हैं। बताया जाता है कि मंत्री मुंडेरा स्थित अपने कार्यालय पर पहुंचे थे। अभी वह सीढ़ी पर चढ़ रहे थे कि एक युवक उनकी तरफ तेजी से लपका। वह हमला कर पाता कि आसपास मौजूद कार्यकर्ताओं ने उसे दबोच लिया। उसके पास से ब्लेड और केमिकल बरामद किया गया है।

मौसम ने डाला चुनाव प्रचार में खलल

संवाददाता

देहरादून। पहले कोरोनावायरस प्रतिबंधों की मार, अब मौसम की खलनायकी ने राजनीतिक दलों और नेताओं के चेहरों पर चिंता की लकीरें खींच दी है। हालांकि मौसम विभाग द्वारा इसकी पूर्व घोषणा की जा चुकी थी, लेकिन आज सुबह से ही मौसम का मिजाज ऐसा बिगड़ा कि नेताओं की मुश्किलें खड़ी हो गई और उन्हें अपने कई कार्यक्रम या तो रद्द करने पड़े या फिर वह औपचारिक कार्यक्रम बन कर रह गए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को आज उत्तराखंड दौरे पर आना था तथा उत्तरकाशी व रामनगर में उनके चुनावी कार्यक्रम तय थे। लेकिन खराब मौसम के कारण उनका दौरा रद्द हो गया वही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो आज ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं तथा हर रोज 3 से 4 विधानसभा क्षेत्रों में जा रहे है, के रास्ते में मौसम में रोड़ा अटका दिया। आज सुबह उनका हरिद्वार दौरा था लेकिन मौसम खराब होने के कारण उन्हें हेलीकॉप्टर के बजाय सड़क मार्ग से हरिद्वार जाना पड़ा। हालांकि

❑जेपी नड्डा का आज का उत्तराखंड दौरा रद्द
❑मोदी की कल की वर्चुअल रैली पर भी मौसम की मार

उन्होंने यहां खराब मौसम के बीच ही अपने पार्टी प्रत्याशी यतिश्वरानन्द के समर्थन में रोड शो तो किया लेकिन खराब मौसम के कारण यह औपचारिक बनकर ही रह गया। आज ही उनको हरिद्वार से जसपुर और जसपुर से अपने चुनावी क्षेत्र खटीमा में जाकर चुनाव प्रचार करना है। लेकिन खराब मौसम उन्हें इसकी इजाजत देता है या नहीं कह पाना मुश्किल है।

जहां तक पहाड़ों की बात है तो राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में हो रहे भारी हिमपात और बारिश के कारण तमाम प्रत्याशी चुनाव प्रचार के लिए घरों से बाहर नहीं निकल सके हैं। राज्य के चकराता, चमोली, उत्तरकाशी तथा रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ सहित तमाम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी हिमपात और बारिश होने की खबरें हैं साथ ही भीषण सर्दी का कहर जारी है जो अगले । दिन यानी कल भी जारी रहेगा। जहां तक दून और आस पास के क्षेत्रों की बात है तो यहां सुबह से ही बारिश हो रही है जिसके कारण चुनाव प्रचार पर असर पड़ रहा है। कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्चुअल रैलियां होने वाली हैं जिन पर भी मौसमी संकट के बादल छाए हुए हैं। कोरोना के कारण चुनाव आयोग द्वारा पहले ही बड़ी चुनावी रैलियों और जनसभाओं व रोड शो पर प्रतिबंध लगाए हुए हैं। जिससे चुनाव प्रचार में वैसी रंगत नहीं दिख रही है जैसी पहले देखी जाती थी। राज्य में 14 फरवरी को मतदान होना है तथा चुनाव प्रचार सिर्फ 12 फरवरी शाम तक ही जारी रहना है। इनमें से 2 दिन प्रचार के मौसम की खलनायकी ने छीन लिए हैं जिसे लेकर अब नेता चिंतित दिखाई दे रहे हैं।

हथियार चोरी का झूठा मुकदमा कराने पर कांट्रेक्टर के खिलाफ कार्यवाही

संवाददाता

देहरादून। प्राइवेट बाडीगार्ड पर हथियार चोरी करने का झूठा मुकदमा दर्ज कराने पर पुलिस ने कांट्रेक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको पुलिस एक्ट में चालान भी कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मैनपुरी निवासी नरेन्द्र सिंह यहां डायर्वजन पर फ्लैट लेकर कंट्रेक्टर का काम कर रहा है। हाल ही में उसने अपने पास रूद्रप्रयाग निवासी धर्मेन्द्र रावत को अपने प्राइवेट बाडीगार्ड के रूप में नौकरी पर रखा था। गत दिवस नरेन्द्र बाजार सामान लेने आया तथा धर्मेन्द्र उसके घर पर ही था। लेकिन जब वह घर पहुंचा तो ध मेंन्द्र घर पर नहीं था तथा उसको अपना लाईसेंसी रिवाल्वर भी दिखायी नही दिया। जिसके बाद उसने राजपुर थाने में धर्मेन्द्र रावत के खिलाफ रिवाल्वर व 20 कारतूस चोरी करने का मुकदमा दर्ज करा दिया। थाना प्रभारी राजपुर मोहन सिंह से फोन पर सम्पर्क करने पर उन्होंने बताया कि रिवाल्वर चोरी की सूचना पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर धर्मेन्द्र रावत की लोकेश रूडकी पर मिलने पर तत्काल पुलिस टीम रवाना कर उसको वहां से हिरासत में लेकर दून लाया गया। पूछताछ में धर्मेन्द्र ने चोरी करने से साफ इंकार किया तथा बताया कि नरेन्द्र के यहां माहौल सही ना होने पर वह रूडकी काम करने चला गया था। धर्मेन्द्र के चोरी करने से इंकार करने पर पुलिस ने दौबारा नरेन्द्र के फ्लैट की तलाशी ली तो उसका रिवाल्वर वहीं पर बैग में पडा मिला। जिसके बाद पुलिस ने नरेन्द्र का पुलिस एक्ट में चालान करने के साथ ही उसपर झूठा मुकदमा दर्ज करने का भी मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्रक खाई में गिरा दो लोगों की मौत, सात घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक ट्रक के खाई में गिर जाने से जहां दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं सात लोग घायल हुए है। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल भिजवाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह एसडीआरएफ टीम को पुलिस चौकी तीनधारा से सूचना मिली कि देवप्रयाग तीनधारा के पास एक ट्रक खाई में गिर गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि एक ट्रक जो श्रीनगर से ऋषिकेश की ओर जा रहा था और जिसमें नौ लोग सवार थे चौकी बचेलीखाल क्षेत्र के समीप अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया है। इस पर एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया गया। मौके पर दो लोग मृत पाये गये जबकि सात लोग घायल मिले। एसडीआरएफ टीम द्वारा स्थानीय पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। घायल लोगों के नाम राहुल सैनी पुत्र धर्म सिंह सैनी निवासी बिजनौर, दिनेश कुमार पुत्र कलवा राम निवासी बिजनौर, मोहित पुत्र धर्मवीर निवासी बिजनौर, सतीश पुत्र ना मालूम निवासी नजीबाबाद, विपिन कुमार पुत्र धर्मवीर निवासी गांमणि नजीबाबाद, उमेर पुत्र समसुद्दीन निवासी हरिद्वार व वीरेंद्र पुत्र धर्म सिंह निवासी ग्राम नजीबाबाद बताये जा रहे है।

भाजपा फिर मोदी मैजिक..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

किए हैं जो कल से शुरू होकर चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक जारी रहेंगे। यही नहीं जहां तक उत्तराखंड की भाजपा सरकार के कामों की बात है जो उसने बीते 5 सालों में किए हैं तो वहां भी उसके खाते में कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है, वह केंद्रीय योजनाओं के भरोसे ही है। अब देखना होगा कि क्या मोदी मैजिक भाजपा को एक बार फिर सत्ता तक पहुंचाने में सफल होता है कि नहीं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।